गौवंश :

मानव संस्कृति का आधार

REPORT of NATIONAL WORKSHOP 17-18 January, 2021

Faculty of Humanities & Social Sciences

ORGANIZED BY

FACULTY OF HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
SARDARSHAHR, CHURU, RAJASTHAN – 331403

IN COLLABORATION WITH

Shree Bhanwarlal Duggar Ayurved Vishva Bharti Sardarshahar

&

Gau Vigyan Anusandhan Kendra, Devalapar(Mharashtra)

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू (राजस्थान)

श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू

IASE (deemed to be university)

गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर)

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

गौवंश: मानव संस्कृति का आधार

दिनांक: 17.01.2022-18.012022

मुख्य संरक्षक
श्री हिमांशु दूगड़
अध्यक्ष, गांधी विद्या मंदिर

संरक्षक
प्रो. देवेन्द्र मोहन
कुलपति, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

सह संरक्षक
ब्रिगेडियर अजयपति त्रिपाठी
सचिव, गांधी विद्या मंदिर

सह संरक्षक
डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डिया
रजिस्ट्रार, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

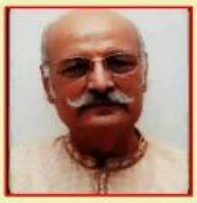

अध्यक्षता
श्री कनकमल दूगड़
कुलाधिपति, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)

सान्निध्य
गौ संत महन्त श्री दिनेश गिरी जी महाराज
फतेहपुर शेखावाटी, सीकर
प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान गौसेवा समिति

मुख्य वक्ता
श्री सुनील मानसिंहका
सदस्य, भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड,
राष्ट्रीय कामधेनु आयोग
पंचगव्य अनुसंधान समिति, भारत सरकार
मुख्य समन्वयक, गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार

मुख्य अतिथि
प्रो. कर्नल ए. के. गहलोत
संस्थापक एवं पूर्व कुलपति
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

विशिष्ट अतिथि
प्रो. राजीव कुमार जोशी
अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानिया, उदयपुर

विशिष्ट अतिथि
डॉ. धनपत चौधरी
संयुक्त निदेशक
पशुपालन विभाग, चूरू

विशिष्ट अतिथि
प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
निदेशक प्रसार, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

वक्तागण

डॉ. देवेंद्र सड़ाना
संस्थापक-सचिव, स्वदेशी पशुधन संस्थान

प्रो. रामस्वरूप चौहान
अध्यक्ष, पशु रोगविज्ञान विभाग, जी. बी. पंत विश्वविद्यालय, उत्तराखंड

डॉ. अशोक कुमार कलवार
मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, जोधपुर

डॉ. भानु प्रकाश शर्मा
पंचगव्य प्राकृतिक आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक,
राजस्थान गोसेवा संघ, जयपुर

परामर्श मण्डल
श्री हेम शर्मा, अध्यक्ष, राजस्थान गौ सेवा परिषद, बीकानेर
श्री जगदीश जैसनसरिया, श्री गौशाला, सरदारशहर
श्री बनवारीलाल जांगिड़, कामधेनु गौशाला, सरदारशहर
डॉ. रवीन्द्र चौधरी, प्राचार्य, श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती
डॉ वी. के. सैनी, प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर
प्रो. मनीषा वर्मा ,अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री श्यामबिहारी, प्रभारी, गौ सेवा सदन, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर

समन्वयक
डॉ. अविनाश पारीक
अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संयोजक
डॉ. विदुषी आमेटा
सह आचार्य, हिन्दी विभाग

•पंजीयन करें - https://forms.gle/snJmhEuECYR4hDAB8

• कार्यक्रम लिंक- https://iasedeemed.webex.com/iasedeemed/j.php?MTID=md2219f75f2246e37c5aec714f6a5b75a

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय,उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू (राजस्थान)

श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू

गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर)

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

गौवंश: मानव संस्कृति का आधार

कार्यक्रम रूपरेखा दिनांक: 17.01.2022, समय : अपराह्न 01.00-03.50

क्रम सं.	कार्यक्रम विवरण	वक्ता	समय
1	दीप प्रज्ज्वलन	अतिथिगण	01.00-01.05
2	संस्थागीत	श्री जितेन्द्र सैनी एवं श्री सुनील सैनी	01.05-01.10
3	विषय प्रवेश	डॉ. विदुषी आमेटा	01.10-01.15
4	स्वागत एवं संस्था परिचय	प्रो. देवेन्द्र मोहन	01.15-01.20
5	आशीर्वचन	श्री कनकमलजी दूगड़	01.20-01.40
6	आशीर्वचन	गौ संत महन्त श्री दिनेश गिरी जी महाराज	01.40-02.00
5	वक्तव्य- मुख्य अतिथि	प्रो.कर्नल ए. के. गहलोत	02.00-02.20
6	वक्तव्य- विशिष्ट अतिथि	प्रो. राजेश कुमार धूड़िया	02.20-02.30
7	वक्तव्य- विशिष्ट अतिथि	डॉ. धनपत चौधरी	02.30-02.40
8	वक्तव्य- मुख्य वक्ता	श्री सुनील मानसिंहका- "गौवंश की समग्र उपयोगिता एवं उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण"	02.40-03.20
9	वक्तव्य	डॉ. भानु प्रकाश शर्मा- "पंचगव्य चिकित्सा से जटिल रोगों पर आशातीत परिणाम"	03.20-03.30
10	चर्चा सत्र	प्रतिभागी	03.30-03.40
12	आभार ज्ञापन	डॉ. रवीन्द्र चौधरी	03.40-03.50

Join by the link below:

https://iasedeemed.webex.com/iasedeemed/j.php?MTID=md2219f75f2246e37c5aec714f6a5b75a

Meeting number: 2512 656 7824, Password: Gau@1234

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यू ट्यूब चैनल पर भी होगा।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय,उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू (राजस्थान)

श्री भंवरलाल दुगड़ आयुर्वेद विश्व भारती, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू

गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर)

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

गौवंश: मानव संस्कृति का आधार

कार्यक्रम रूपरेखा दिनांक: 18.01.2022, समय : अपराह्न 01.30-04.20

क्रम सं.	कार्यक्रम विवरण	वक्ता	समय
1	स्वागत	डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डिया	01.30-01.40
2	वक्तव्य	डॉ. अशोक कुमार कलवार- "पंचगव्य चिकित्सा से कैंसर एवं अन्य असाध्य रोगों का इलाज"	01.40-02.10
3	वक्तव्य- विशिष्ट अतिथि	प्रो. राजीव कुमार जोशी- "देसी गौवंश का संवर्धन एवं प्रबंधन"	02.10-02.50
4	वक्तव्य	डॉ. देवेन्द्र सडाना- "भारतीय देसी नस्लों की विदेशी नस्लों से श्रेष्ठता एवं गुणधर्म"	02.50-03.20
5	वक्तव्य	प्रो. रामस्वरूप चौहान - "भारतीय देसी नस्लों से पंचगव्य औषधियों का निर्माण : एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण "	03.20-04.00
6	चर्चा सत्र	प्रतिभागी	04.00-04.10
7	आभार ज्ञापन	डॉ. अविनाश पारीक	04.10-04.20

Join by the link below:

https://iasedeemed.webex.com/iasedeemed/j.php?MTID=md2219f75f2246e37c5aec714f6a5b75a

Meeting number: 2512 656 7824

Password: Gau@1234

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के यू ट्यूब चैनल पर भी होगा ।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर, चूरू (राजस्थान)

एवं

श्री भँवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्वभारती, गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर

गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर)

द्वारा आयोजित द्वि दिवसीय ऑनलाईन राष्ट्रीय कार्यशाला

''गौवंश मानव संस्कृति का आधार''

राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रतिवेदन

विहंगावलोकन

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), सरदारशहर द्वारा श्री भँवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्वभारती, गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर, गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर) के संयुक्त तत्वावधान में ''गौवंश : मानव संस्कृति का आधार विषय पर दिनांक 17 एवं 18 जनवरी 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन आभासी माध्यम से किया गया। इस वेबिनार मे देश के विभिन्न प्रान्तों के लगभग 564 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में दो दिनों में विषय विशेषज्ञों ने विषयवस्तु पर गहन चर्चा की।

राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर, के कुलाधिपति श्री कनकमल दूगड़, कुलपति प्रो. देवेन्द्र मोहन व रजिस्ट्रार डॉ. पी. के पण्ड्या ने माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संकाय के संगीत विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र सैनी एवं सुनील सैनी ने संस्था की दैनिक प्रार्थना के माध्यम से कार्यक्रम प्रारम्भ किया। कार्यशाला के समन्वयक एवं मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश पारीक ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार के मुख्य समन्वयक श्री सुनील मानसिंहका ने विषय की प्रस्तावना रखी एवं कार्यक्रम का संयोजन उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), सरदारशहर के हिन्दी विभाग की सह आचार्य एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. विदुषी आमेटा ने किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला का विस्तृत विवरण

प्रथम दिवस

गांधी विद्या मंदिर संस्था गीत से प्रारंभ कार्यशाला में उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवेन्द्र मोहन ने संस्था का परिचय देते हुए अतिथियों और सहभागियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कनकमल दूगड जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानव जीवन संरक्षण के लिए आवश्यक है कि हम गौवंश का संरक्षण करें। आयोजन में गौसंत श्री दिनेश गिरि महाराज ने कहा कि हमें व्यावहारिक जीवन में गौ रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कर्नल ए. के. गहलोत ने राजस्थान में विद्यमान गौवंश की स्थिति का परिचय दिया। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के निदेशक प्रसार प्रो. राजेश कुमार धूडिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में विभिन्न नस्लों की गाय और संकर प्रजातियों के विकास व गुण क्षमता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार महाराष्ट्र के मुख्य समन्वयक सुनील मानसिंहका ने 'गौवंश की समग्र उपयोगिता एवं उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान देते हुए राष्ट्रीय–अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गाय तथा पंचगव्य को लेकर किये जा रहे अनुसंधानों का विस्तृत परिचय दिया। गोसेवा संघ जयपुर के पंचगव्य प्राकृतिक आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक डॉ. भानुप्रकाश शर्मा ने कैंसर, किडनी व सोरायसिस जैसे जटिल रोगों में पंचगव्य चिकित्सा के परिणामों पर चर्चा करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभवों को सांझा किया।

द्वितीय दिवस

कार्यशाला के दूसरे दिन उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. पी. के. पाण्ड्या ने आयोजक संस्थान द्वारा गौ संरक्षण के कार्यों का परिचय देते हुए इस क्षेत्र में संभव व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गाय, गंगा और गाँव भारतीय संस्कृति का आधार है जिनका रक्षण आवश्यक है। सत्र के विशिष्ट अतिथि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानिया, उदयपुर के प्रो. राजीव कुमार जोशी ने देसी गौवंश का संवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में जोधपुर के ऑन्कोलोजिस्ट डॉ. अशोक कुमार कलवार ने पंचगव्य चिकित्सा प्रक्रिया का विस्तार से परिचय देते हुए कैंसर एवं अन्य असाध्य रोगों की चिकित्सा में पंचगव्य के उपयोग संबंधी अब तक किये गये प्रयासों व अनुसंधान पर विस्तार से चर्चा की। स्वदेशी पशुधन संस्थान के संस्थापक डॉ. देवेन्द्र सडाना ने भारतीय देसी नस्लों की विदेशी नसलों से श्रेष्ठता एवं उनके गुणधर्म का उल्लेख करते हुए भारतीय देसी नस्लों की उत्पादन क्षमता और गौ दुग्ध की पौष्टिकता पर विचार व्यक्त किये। जी. बी. पंत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड के पशु रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रामस्वरूप चौहान ने भारतीय

देसी नस्लों से पंचगव्य औषधियों के निर्माण पर वक्तव्य देते हुए कहा कि देसी नस्लों का संरक्षण आवश्यक है। भाभा एटोमिक रिसर्च सेण्टर मुबंई के वैज्ञानिक संजय गोस्वामी ने गौसंरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों ने विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएँ शान्त की। कार्यशाला समन्वयक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश पारीक ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि गौवंश के संरक्षण के लिए समय समय पर विविध अनुसंधानों को एक मंच पर सांझा करना आवश्यक है जिससे गौवंश के संरक्षण में नये आयाम खुलेंगे। दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन करते हुए कार्यशाला की संयोजक हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. विदुषी आमेटा ने कहा कि गाय को आस्था से अनुसंधान के स्तर पर लाकर देखना अनिवार्य है। कार्यशाला आयोजन में कम्प्यूटर विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. कैलाश पारीक, तकनीकी सहायक मनीष की विशिष्ट भूमिका रही।

आयोजन में शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. मनीषा वर्मा, राजस्थान गौसेवा परिषद के अध्यक्ष हेम शर्मा, श्री गौशाला, सरदारशहर के जगदीश जैसनसरिया, कामधेनु गौशाला के बनवारीलाल जांगिड, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ. वी. के. सैनी, गौ सेवा सदन के प्रभारी श्यामबिहारी, हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. कल्पना मौर्य के साथ आयोजक संस्थान के डॉ. महेश शर्मा, डॉ. राजपाल एवं भारत के विविध प्रांतों से गौ प्रेमी, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी आदि सम्मिलित हुए।

SOME GLIMPSES OF NATIONAL WORKSHOP (17-18 January,2021)

Via webex by cisco
sunil mansinghka
+117

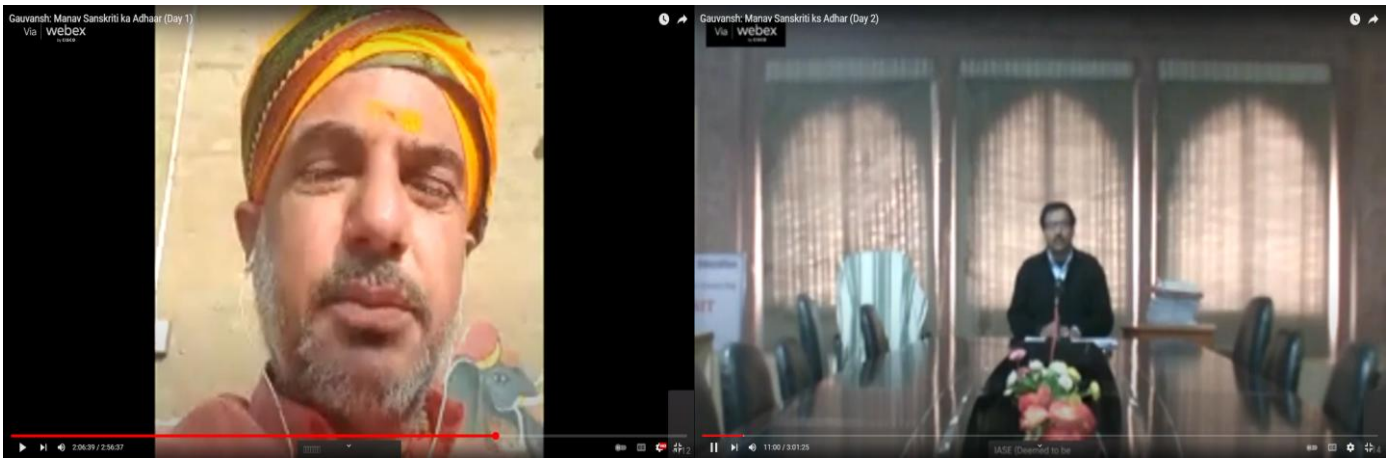
Gauvansh: Manav Sanskriti ka Adhaar (Day 1)
Via webex
Gauvansh: Manav Sanskriti ks Adhar (Day 2)
Via webex

Via webex
RAJEEV JOSHI
+83
Via webex
mahima
+64

Gauvansh: Manav Sanskriti ka Adhaar (Day 1)
Via webex
Prof Dr Col KK Gahlot
Gauvansh: Manav Sanskriti ka Adhaar (Day 1)
Via webex
Prof. R.K. Dhurla, Dire

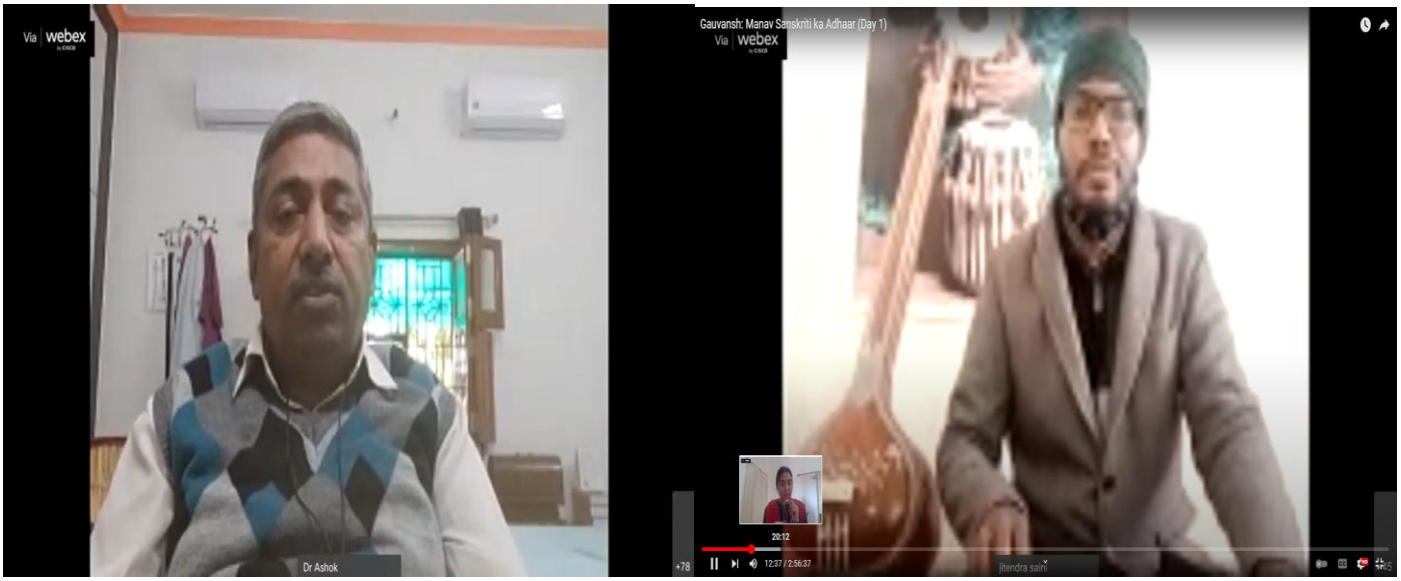
Via webex
Dr Ashok
Gauvansh: Manav Sanskriti ka Adhaar (Day 1)
Via webex
20:12
12:37 / 2:56:37
Jitendra saini

Gauvansh: Manav Sanskriti ka Adhaar (Day 1)
Via webex
by CISCO
2:20:57 / 2:56:37
Dr.Bhanu Prakash Sha

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय
उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू (राजस्थान)
श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू
गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर)

IASE (deemed to be university)

ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

गौवंश: मानव संस्कृति का आधार

दिनांक: 17.01.2022-18.012022

प्रमाणित किया जाता है कि **सुश्री दीपिका सिंह, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग** ने मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू (राजस्थान), श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू तथा गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार (नागपुर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'गौवंश: मानव संस्कृति का आधार' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में सक्रिय प्रतिभागिता की। आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ सादर शुभेच्छा।

डॉ. रवीन्द्र चौधरी,	सुनील मानसिंहका	डॉ. अविनाश पारीक
प्राचार्य	मुख्य समन्वयक	अधिष्ठाता
श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती	गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, देवलापार	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

NEWS PAPER CUTTINGS

चूरू पत्रिका 13 राजस्थान पत्रिका patrika.com
चूरू, गुरुवार, 20 जनवरी, 2022
चूरू, सिधमुख, सांखूफोर्ट, सरदारशहर, रतनगढ़, सादुलपुर

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

गाय एवं गोवंश संबंधी अनुसंधानों पर चर्चा, गांधी विद्या मंदिर की पहल

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

SKJ Jewellers VAISHALI NAGAR 0141-4095001 VIDHYADHAR NAGAR 0141-2820777

सरदारशहर. गांधी विद्या मंदिर के उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय तथा श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय की ओर से गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार के संयुक्त तत्वावधान में गौवंश मानव संस्कृति का आधार विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में जितेन्द्र सैनी एवं सुनील सैनी ने संस्था गीत प्रस्तुत किया। उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवेन्द्र मोहन ने संस्था का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कनकमल दूगड ने कहा कि मानव जीवन संरक्षण के लिए आवश्यक है कि हम गोवंश का संरक्षण करें। संत दिनेश गिरि महाराज ने कहा कि हमें व्यावहारिक जीवन में गोरक्षा का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रो. कर्नल एके गहलोत, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के निदेशक प्रसार प्रो.राजेश कुमार धूडिया ने भी विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता गोविज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार महाराष्ट्र के मुख्य समन्वयक सुनील मानसिंहका, गोसेवा संघ जयपुर के पंचगव्य प्राकृतिक आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक डा.भानुप्रकाश शर्मा, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा.पीके पांडिया, विशिष्ट अतिथि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानिया उदयपुर के प्रो.राजीव कुमार जोशी, स्वदेशी पशुधन संस्थान के संस्थापक डा.देवेन्द्र सडाना ,जीबी पंत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड के पशु रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो.रामस्वरूप चौहान ने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला समन्वयक डा.अविनाश पारीक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन डा.विदुषी आमेटा ने किया। कार्यशाला आयोजन में कम्प्यूटर विज्ञान के सहायक आचार्य डा.कैलाश पारीक, तकनीकी सहायक मनीष सैनी की विशिष्ट भूमिका रही। आयोजन में शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो.मनीषा वर्मा, राजस्थान गौसेवा परिषद के अध्यक्ष हेम शर्मा, श्री गोशाला, सरदारशहर के जगदीश जैसनसरिया, कामधेनु गोशाला के बनवारीलाल जांगिड, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा.वीके सैनी, गौ सेवा सदन के प्रभारी श्यामबिहारी एवं भारत के विविध प्रांतों से गौ प्रेमी, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी आदि सम्मिलित हुए।

कार्यालय

Email – nagarpalikach

क्रमांक :– न.पा.छा. / 2021

सर्व साधारण को सूचित
है। अतः उक्त संबंध में यदि
के साथ अन्दर मियाद स
विचार / सुनवाई नही की ज

कं. सं.	पत्रावली कमांक	दिनां

गाय एवं गौवंश संबंधी अनुसंधानों पर चर्चा, गांधी विद्या मंदिर की पहल- 'गौवंशः मानव संस्कृति का आधार' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं)। शहर के गांधी विद्या मंदिर के उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय तथा श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय द्वारा गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार के संयुक्त तत्वावधान में 'गौवंशः मानव संस्कृति का आधार' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में जितेन्द्र सैनी एवं सुनील सैनी द्वारा प्रस्तुत संस्था गीत से कार्यशाला प्रारंभ हुई। इसमें उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवेन्द्र मोहन ने संस्था का परिचय देते हुए अतिथियों और सहभागियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कनकमल दूगड ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन संरक्षण के लिए आवश्यक है कि हम गौवंश का संरक्षण करें। आयोजन में गौ संत श्री दिनेश गिरि महाराज ने कहा कि हमें व्यावहारिक जीवन में गौ रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि राजस्थान पशु

चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कर्नल ए. के. गहलोत ने राजस्थान में विद्यमान गौवंश की स्थिति का परिचय दिया। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के निदेशक प्रसार प्रो. राजेश कुमार धूडिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में विभिन्न नस्लों की गाय और संकर प्रजातियों के विकास व गुण क्षमता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार महाराष्ट्र के मुख्य समन्वयक सुनील मानसिंहका ने 'गौवंश की समग्र उपयोगिता एवं उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान देते हुए राष्ट्रीय-अन्तराष्ट्रीय स्तर पर गाय तथा पंचगव्य को लेकर किये जा रहे अनुसंधानों का विस्तृत परिचय दिया। गौ सेवा संघ जयपुर के पंचगव्य प्राकृतिक आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक डॉ. भानुप्रकाश शर्मा ने कैंसर, किडनी व सोरायसिस जैसे जटिल रोगों में पंचगव्य चिकित्सा के परिणामों पर चर्चा करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। कार्यशाला के दूसरे दिन उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. पी. के. पांडिया ने आयोजक संस्थान द्वारा गौ संरक्षण के कार्यों का परिचय देते हुए इस क्षेत्र में संभव व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि गाय, गंगा और गाँव भारतीय संस्कृति का आधार है। जिनका रक्षण आवश्यक है। सत्र के विशिष्ट अतिथि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानिया, उदयपुर के प्रो. राजीव कुमार जोशी ने देसी गौवंश का संवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में जोधपुर के ऑन्कोलोजिस्ट डॉ. अशोक कुमार कलवार ने पंचगव्य चिकित्सा प्रक्रिया का विस्तार से परिचय देते हुए कैंसर एवं अन्य असाध्य रोगों की चिकित्सा में पंचगव्य के उपयोग संबंधी अब तक किये गये प्रयासों व अनुसंधान पर विस्तार से चर्चा की। स्वदेशी पशुधन संस्थान के संस्थापक डॉ. देवेन्द्र सडाना ने भारतीय देसी नस्लों की विदेशी नसलों से श्रेष्ठता एवं उनके गुणधर्म का उल्लेख करते हुए भारतीय देसी नस्लों की उत्पादन क्षमता और गौ दुग्ध की पौष्टिकता पर विचार व्यक्त किये। जी. बी. पंत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड के पशु रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रामस्वरूप चौहान ने भारतीय देसी नस्लों से पंचगव्य औषधियों के निर्माण पर वक्तव्य देते हुए कहा कि देसी नस्लों का संरक्षण आवश्यक है। भाभा एटोमिक रिसर्च सेण्टर मुंबई के वैज्ञानिक संजय गोस्वामी ने गौसंरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यशाला समन्वयक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश पारीक ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि गौवंश के संरक्षण के लिए समय समय पर विविध अनुसंधानों को एक मंच पर साझा करना आवश्यक है। जिससे गौवंश के संरक्षण में नये आयाम खुलेंगे। दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन करते हुए कार्यशाला की संयोजक हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. विदुषी आमेटा ने कहा कि गाय को आस्था से अनुसंधान के स्तर पर लाकर देखना अनिवार्य है। कार्यशाला आयोजन में कम्प्यूटर विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. कैलाश पारीक, तकनीकी सहायक मनीष सैनी की विशिष्ट भूमिका रही। आयोजन में शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. मनीषा वर्मा, राजस्थान गौसेवा परिषद के अध्यक्ष हेम शर्मा, श्री गौशाला, सरदारशहर के जगदीश जैसनसरिया, कामधेनु गौशाला के बनवारीलाल जांगिड, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ. वी. के. सैनी, गौ सेवा सदन के प्रभारी श्यामबिहारी एवं भारत के विविध प्रांतों से गौ प्रेमी, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी आदि सम्मिलित हुए।

गांधी विद्या मंदिर की पहल 'गौवंश- मानव संस्कृति का आधार' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

सादुलपुर(मदनमोहन आचार्य)

चूरू जिले में सरदारशहर गांधी विद्या मंदिर के उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय तथा श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय द्वारा गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार के संयुक्त तत्वावधान में 'गौवंश- मानव संस्कृति का आधार' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में जितेन्द्र सैनी एवं सुनील सैनी द्वारा प्रस्तुत संस्था गीत से कार्यशाला प्रारंभ हुई। इसमें उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवेन्द्र मोहन ने संस्था का परिचय देते हुए अतिथियों और सहभागियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कनकमल दूगड ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन संरक्षण के लिए आवश्यक है कि हम गौवंश का संरक्षण करें। आयोजन में गौ संत श्री दिनेश गिरि महाराज ने कहा कि हमें व्यावहारिक जीवन में गौ रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कर्नल ए. के. गहलोत ने राजस्थान में विद्यमान गौवंश की स्थिति का परिचय दिया। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के निदेशक प्रसार प्रो. राजेश कुमार धूडिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में विभिन्न नस्लों की गाय और संकर प्रजातियों के विकास व गुण क्षमता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार महाराष्ट्र के मुख्य समन्वयक सुनील मानसिंहका ने 'गौवंश की समग्र उपयोगिता एवं उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान देते हुए राष्ट्रीय-अन्तराष्ट्रीय स्तर पर गाय तथा पंचगव्य को लेकर किये जा रहे अनुसंधानों का विस्तृत परिचय दिया। गौ सेवा संघ जयपुर के पंचगव्य प्राकृतिक आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक डॉ. भानुप्रकाश शर्मा ने कैंसर, किडनी व सोरायसिस जैसे जटिल रोगों में पंचगव्य चिकित्सा के परिणामों पर चर्चा करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभवों को सांझा किया। कर्यशाला के दूसरे दिन उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. पी. के. पांडिया ने आयोजक संस्थान द्वारा गौ संरक्षण के कार्यों का परिचय देते हुए इस क्षेत्र में संभव व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गाय, गंगा और गाँव भारतीय संस्कृति का आधार है जिनका रक्षण आवश्यक है। सत्र के विशिष्ट अतिथि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानिया, उदयपुर के प्रो. राजीव कुमार जोशी ने देसी गौवंश का संवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में जोधपुर के ऑन्कोलोजिस्ट डॉ. अशोक कुमार कलवार ने पंचगव्य चिकित्सा प्रक्रिया का विस्तार से परिचय देते हुए कैंसर एवं अन्य असाध्य रोगों की चिकित्सा में पंचगव्य के उपयोग संबंधी अब तक किये गये प्रयासों व अनुसंधान पर विस्तार से चर्चा की। स्वदेशी पशुधन संस्थान के संस्थापक डॉ. देवेन्द्र सडाना ने भारतीय देसी नस्लों की विदेशी नसलों से श्रेष्ठता एवं उनके गुणधर्म का उगेख करते हुए भारतीय देसी नस्लों की उत्पादन क्षमता और गौ दुग्ध की पौष्टिकता पर विचार व्यक्त किये। जी. बी. पंत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड के पशु रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रामस्वरूप चौहान ने भारतीय देसी नस्लों से पंचगव्य औषधियों के निर्माण पर वक्तव्य देते हुए कहा कि देसी नस्लों का संरक्षण आवश्यक है।

दैनिक
मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू
21.01.2022

आचार्य न्यूज सादुलपुर
जागरूक टाइम्स
मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू 21-01-2022

'गौवंश-मानव संस्कृति का आधार' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

जागरुक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। चूरू जिले में सरदारशहर गांधी विद्या मंदिर के उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय तथा श्री भंवरलाल दूगड़ आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय द्वारा गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार के संयुक्त तत्वावधान में 'गौवंश: मानव संस्कृति का आधार' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में जितेन्द्र सैनी एवं सुनील सैनी द्वारा प्रस्तुत संस्था गीत से कार्यशाला प्रारंभ हुई। इसमें उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवेन्द्र मोहन ने संस्था का परिचय देते हुए अतिथियों और सहभागियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कनकमल दूगड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन संरक्षण के लिए आवश्यक है कि हम गौवंश का संरक्षण करें। आयोजन में गौ संत दिनेश गिरि महाराज ने कहा कि हमें व्यावहारिक जीवन में गौ रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कर्नल ए. के. गहलोत ने राजस्थान में विद्यमान गौवंश की स्थिति का परिचय दिया। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के निदेशक प्रसार प्रो. राजेश कुमार धूडिया ने विशिष्ट अतिथि के रूप में विभिन्न नस्लों की गाय और संकर प्रजातियों के विकास व गुण क्षमता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता गौ विज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार महाराष्ट्र के मुख्य समन्वयक सुनील मानसिंहका ने 'गौवंश की समग्र उपयोगिता एवं उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान देते हुए राष्ट्रीय-अन्तराष्ट्रीय स्तर पर गाय तथा पंचगव्य को लेकर किये जा रहे अनुसंधानों का विस्तृत परिचय दिया। गौ सेवा संघ जयपुर के पंचगव्य प्राकृतिक आयुर्वेद एवं योग चिकित्सक डॉ. भानुप्रकाश शर्मा ने कैंसर, किडनी व सोरायसिस जैसे जटिल रोगों में पंचगव्य चिकित्सा के परिणामों पर चर्चा की।